ओम शान्ति

शिवरात्रि है पर्व महान। भारत भूमि में आये शिव भगवान

महाशिवरात्रि पर्व – **79 वी** शिवजयंती की कोटि कोटि बधाइयॉ

ईश्वरीय शुभ संदेश ः

प्रिय भाइयो और बहनों

वर्तमान समय सृष्टि रूपी नाटक का महापरिवर्तन होने जा रहा है । **5000** वर्ष का सृष्टि चक्र पूरा हो रहा है।कलियुग जाने वाला है सतयुग आने वाला है।

सबसे **बड़ी खुशखबर** यह है कि सर्व आत्माओं देवात्माओं व धर्मपिताओं के भी पिता **निराकार ज्योति बिन्दु परमात्मा शिव** जिन्हें हम *भगवान अल्लाह खुदा ओंकार वाहेगुरू हेवनली गॉड फादर* इत्यादि नामों से पुकारते आये **ज्योर्तिलिंग** के रूप में भारत में तथा अनेक देशों में पूजते हैं वही *सारे जगत का मालिक तारनहार पतित पावन सर्व का सद्गति दाता मुक्ति जीवनमुक्ति दाता* वर्तमान समय **प्रजापिता ब्रह्मा** के साधारण तन का आधार ले कर **सत्य गीता ज्ञान** द्वारा **सतयुगी स्वर्णिम दुनिया** का पुर्नस्थापन कर रहे हैं जिससे इस धरा पर पुनः **एक धर्म** वाला **सुख शांतिमय रामराज्य** आ जायेगा।दुःख के काले बादल सदा के लिए समाप्त हो जायेगें।परमात्मा का यह कार्य **1936** से अविरल गुप्त रीति से चल रहा है।

गीता के वचनानुसार अति धर्मग्लानि के समय कलियुग के **अज्ञान अंधकार रूपी रात्रि** में परमात्मा के इस दिव्य अवतरण का ही यादगार भारतवासी **शिवरात्रि** के रूप में मनाते हैं।

जिसे ढूंढा वो ऊपरवाला परमधाम से आ चुका है फिर से जन्नत स्वर्ग बनाने हर दिल को सुख-शांति की राह दिखाने।

भाइयों और बहनों– अंतिम समय की अंतिम घड़ी में परमात्मा पिता से स्वर्गीय सुख-शांति का अपना ईश्वरीय जन्मसिद्ध अधिकार अवश्य प्राप्त करें फिर अंत में **उल्हना ना देना** कि **भगवान आए पर हमें बताया नहीं अज्ञान नींद से जगाया नहीं**।

अभी नहीं तो कभी नहीं।